Tender Heart High School, Sector-33 B, Chandigarh.

कक्षा - दसवीं
दिनांक - 15 अप्रैल, 2024

विषय - हिन्दी व्याकरण
शिक्षिका - श्रीमती कल्पना शर्मा

पुस्तक : सरस हिन्दी व्याकरण - IX-X

उपविषय - पर्यायवाची शब्द

सुप्रभात प्यारे बच्चो !

आज हम कक्षा दसवीं की हिन्दी व्याकरण की पाठ्यपुस्तक सरस हिन्दी व्याकरण भाग नौं एवं दस की पृष्ठ संख्या 251 पर दिए 'पर्यायवाची शब्द' का अध्ययन करेंगे। यह कार्य आपको 5 अप्रैल, 2021 को भेजा जा रहा है। यह आवाज़ कल्पना शर्मा की है।

बच्चो ! आप सभी अपनी-अपनी व्याकरण की पुस्तक की पृष्ठ संख्या 251 खोल कर बैठ जाएँ साथ ही अपने साथ व्याकरण की उत्तर-पुस्तिका भी रख लें। पाठ के मध्य आपसे कुछ प्रश्न भी पूछे जाएँगे। आप अपनी ऑडियो को तीन मिनट के लिए रोकेंगे एवं उन प्रश्नों के उत्तर लिखेंगे। उन प्रश्नों के उत्तर देने में आप तभी समर्थ होंगे यदि आपने विषय को ध्यानपूर्वक सुना एवं समझा होगा। अत: आपका ध्यान विषय की ओर केन्द्रित रहना पूर्ण आवश्यक है।

आशा है कि अब आप पढ़ने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।

बच्चो ! आपकी पुस्तक में दिए पर्यायवाची शब्दों को पढ़ने से पहले इस विषय संबंधी कुछ जानकारी प्राप्त कर लेते हैं। पर्यायवाची शब्द 'पर्याय' एवं 'वाची' दो शब्दों के मेल से बना है। 'पर्याय' का अर्थ है समान, अन्य या दूसरा तथा 'वाची' का अर्थ है बोले जाने वाले। वे

शब्द जो भिन्न-भिन्न होते हुए भी किसी एक अर्थ को स्पष्ट करते हैं 'पर्यायवाची शब्द' कहलाते हैं। इन्हें 'समानार्थी' या 'समानार्थक शब्द' भी कहा जा सकता है।

पर्यायवाची शब्दों के अर्थ में सूक्ष्म अंतर होता है। प्रत्येक शब्द कुछ न कुछ विशिष्टता लिए रहता है। अत: प्रत्येक स्थिति में इनका प्रयोग एक-दूसरे के स्थान पर नहीं किया जा सकता।

उदाहरण स्वरूप 'जल' शब्द के पर्यायवाची हैं - पानी, नीर तथा घर शब्द के पर्यायवाची हैं गृह, भवन, आलय।

उदाहरण देखिए :-

1. नाली का जल गंदा है। इस वाक्य में नाली के संदर्भ में 'जल' का प्रयोग उपयुक्त नहीं है।
2. मैं हरिद्वार से गंगा पानी लाया। इसमें 'गंगा पानी' के लिए 'गंगा जल' का ही प्रयोग सही है।
3. बच्चे गृह पर हैं। 'गृह' के स्थान पर 'घर' का प्रयोग होना चाहिए।
4. हमने राष्ट्रपति आलय देखा। यहाँ 'आलय' के स्थान पर 'भवन' का प्रयोग होना चाहिए।
5. अध्यापक ने बच्चों को घर कार्य दिया। इसमें 'घर' के स्थान पर 'गृह' का प्रयोग उपयुक्त है।

बच्चो! जीवन में हम अवसर के अनुकूल वस्त्र धारण करते हैं, भोजन करते हैं तथा व्यवहार करते हैं। शब्द हमारी भाषा के आभूषण हैं, अलंकार हैं; अत: भाषा का सौंदर्य शब्दों के सौंदर्य पर निर्भर करता है। अवसर के अनुकूल शब्दों का चयन करने से भाषा प्रभावशाली होती है; अत: शब्दों का भंडार विशाल होना चाहिए। इसके लिए पर्यायवाची शब्द उपयोगी होते हैं। सभी विद्यार्थियों को ये शब्द याद करने चाहिए।

आइए! अब आपकी पुस्तक में दिए कुछ पर्यायवाची शब्दों पर चर्चा करते हैं। कक्षा नौवीं में आपने

अंक से लेकर पक्षी तक किए थे। आज हम 'पत्नी' से आरंभ करेंगे। आप सभी इन शब्दों को मेरे पीछे ऊँचे स्वर में दोहराएँगे।

पत्नी - वधू, भार्या, दारा, वामा, गृहिणी, प्रिया।
पत्थर - प्रस्तर, पाषाण, उपल, अश्म।
पत्ता - पत्र, पर्ण, प्रात, दल, पल्लव।
पार्वती - उमा, अपर्णा, भवानी, शिवानी।
पुत्र - तनय, आत्मज, सुत, नंदन, बेटा।
पुत्री - तनया, आत्मजा, सुता, नंदिनी, बेटी, दुहिता, कन्या, तनुजा।
पृथ्वी - भू, भूमि, धरा, ज़मीन, धरती, मही।
प्रतीक - चिह्न, संकेत, निशान।
पुष्प - सुमन, कुसुम, फूल, प्रसून, मंजरी।
पर्वत - गिरि, अचल, शैल, भूधर, नग।
प्रकाश - उजाला, प्रभा, ज्योति, चमक, आलोक।
पेड़ - वृक्ष, विटप, पर्णी, शाल, तरू, द्रुम, पादप।
प्रेम - प्यार, स्नेह, प्रीति, अनुराग।
बंदर - कपि, वानर, शाखामृग, मर्कट, हरि।
बर्फ - हिम, तुषार, तुहिन, नीहार।
ब्राह्मण - विप्र, द्विज, भूदेव, भूसुर।
बाल - केश, अलक, कुंतल।
बाण - शर, तीर, शिलीमुख, आशुग, इषु।
बिजली - विद्युत, चपला, चंचला, तड़ित, दामिनी।
ब्रह्मा - विधि, विधाता, लोकेश, प्रजापति, कमलासन, अज, नाभिज, स्वयंभू।

बच्चो! अब मैं आपसे कुछ प्रश्न पूछूँगी। प्रश्न सुनकर आप अपनी ऑडियो को तीन मिनट के लिए विराम देंगे तथा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर अपनी-अपनी व्याकरण की उत्तर-पुस्तिका में लिखेंगे।

कक्षा - दसवीं शिक्षिका - श्रीमती कल्पना शर्मा
विषय - हिन्दी व्याकरण (पर्यायवाची शब्द) 16/04/2024

प्रश्न 1. पर्यायवाची शब्द किसे कहते हैं ?
प्रश्न 2. कपि, वानर, मर्कट किस शब्द के पर्यायवाची शब्द हैं ?
प्रश्न 3 'पुत्र' एवं 'प्रतीक' शब्द के तीन-तीन पर्यायवाची शब्द लिखिए।
प्रश्न 4. विद्युत, चपला, तुषार, चंचला एवं दामिनी में से कौन-सा शब्द 'बिजली' का पर्यायवाची नहीं है ?

बच्चो ! उत्तर लिखने के लिए दिया गया समय समाप्त हो चुका है। आशा है आपने उपर्युक्त पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिख लिए होंगे। अब मैं आपको उन्हीं प्रश्नों के उत्तर बता रही हूँ जो इस प्रकार हैं :-

उत्तर 1. ऐसे शब्द जिनके अर्थों में समानता होती है, उन्हें पर्यायवाची शब्द कहते हैं।
उत्तर 2. कपि, वानर, मर्कट - बंदर' शब्द के पर्यायवाची शब्द हैं।
उत्तर 3. 'पुत्र' शब्द के पर्यायवाची शब्द हैं - तनय, आत्मज, सुत, नंदन, बेटा।
उत्तर 4. विद्युत, चपला, तुषार, चंचला एवं दामिनी में से तुषार शब्द बिजली का पर्यायवाची नहीं है।

बच्चो ! अब आगे दिए गए पर्यायवाची शब्दों का अध्ययन करेंगे। आपका ध्यान इसी प्रकार अपनी-अपनी पुस्तक पर ही केन्द्रित होना चाहिए।

बुद्धि - मति, धी, मेधा, प्रज्ञा, विवेक।
भ्रमर - अलि, मधुप, मधुकर, षटपद, भृंग, भौंरा, शिलीमुख।
भिक्षा - भीख, खैरात, याचना।
भूषण - आभरण, अलंकार, मंडन, गहना।
भूख - क्षुधा, बुभुक्षा आहारेच्छा।
मछली - मत्स्य, मीन, झष, मकर।
मनुष्य - मानुष, मनुज, नर, पुरुष, मानव।

कक्षा - दसवीं शिक्षिका - श्रीमती कल्पना शर्मा

विषय - हिन्दी व्याकरण (पर्यायवाची शब्द) 15/04/2024

माता - जननी, जन्मदायिनी, प्रसू, अंबा, माँ, अंबिका ।
मित्र - सखा, सुहृद, सहचर, साथी, हितैषी, हितू ।
मुख - आनन, वदन, मुँह, आस्य, वक्त्र ।
मिथ्या - झूठ, असत्य, मृषा, अयथार्थ ।
मेघ - जलधर, पयोद, जलद, वारिद, घन, बादल ।
यश - कीर्ति, ख्याति, प्रसिद्धि, शोहरत ।
राजा - नृप, नरपति, महीपति, भूपति, भूपाल, नरेश ।
रचना - निर्माण, सृजन, बनावट, सृष्टि ।
रात्रि - निशा, रजनी, यामिनी, विभावरी, रैन, रात ।
राम - रघुनाथ, राघव, रघुकुलतिलक, सीतापति, दशरथसुत।
रिपु - वैरी, दुश्मन, शत्रु, अरि ।
लता - वल्लरी, बेल, वल्लिका ।
लक्ष्मी - लोकमाता, हरिप्रिया, कमला, पद्मालया, चंचला ।

बच्चो ! आज हमने पत्नी से लक्ष्मी तक सभी पर्यायवाची शब्दों का अध्ययन किया है। आप सभी इन पर्यायवाची शब्दों को दो-तीन बार पढ़ेंगे। अब मैं आपको गृहकार्य दे रही हूँ, इस कार्य को आप अपनी-अपनी व्याकरण की उत्तर-पुस्तिका में करेंगे। प्रत्येक छात्र का इस कार्य को करना अनिवार्य है।

गृहकार्य

सभी छात्र सरस हिन्दी व्याकरण की पृष्ठ संख्या 251 पर दिए पर्यायवाची शब्द पत्नी से लक्ष्मी तक पढ़ेंगे एवं इन शब्दों को अपनी-अपनी व्याकरण की उत्तर-पुस्तिका में लिखेंगे एवं याद भी करेंगे।

धन्यवाद ।

[Last Page]